Regarding dilapidated condition of NH-8 from Assam to Agartala

श्री बिप्लब कुमार देब (त्रिपुरा पश्चिम) : माननीय सभापति महोदया, मैं सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री का ध्यान एनएच-8 की खस्ताहाल स्थिति की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ । यह त्रिपुरा की लाइफलाइन है । यह ग्लोबल ईस्ट के लिए भारत का प्रवेश द्वार बन जाती है । यह भारत सरकार की एक्ट ईस्ट पॉलिसी की दिशा में भी एक बड़ा कदम है । एनएच-8, जो 371 किलोमीटर लम्बा है, त्रिपुरा को देश के बाकी हिस्सों के साथ जोड़ता है । एनएचआईडीसीएल के द्वारा निर्मित यह मार्ग उस क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र के विकास की दृष्टि से, महत्वपूर्ण क्षेत्रों से होकर गुजरता है । इस पर चुराईबाड़ी और शनिचोड़ा के बीच 11 किलोमीटर के हिस्से में बड़े-बड़े गड्ढ़े हैं, जो कीचड़ से भरे रहते हैं । इसके कारण वहाँ पर अक्सर दुर्घनाएं होती हैं । उचित जल निकासी की व्यवस्था न होने के कारण, बारिश का पानी और आसपास की पहाड़ियों से मिट्टी नीचे आकर सड़क पर जमा रहती है और यह किचड़ में बदल जाती है । इसके कारण, स्थानीय लोगों को आने-जाने में मुश्किल का सामना करना पड़ता है ।

एनएचआईडीसीएल की उदासीनता के कारण अभी तक इस रोड की मरम्मत नहीं हो पाई है । मैं आपके माध्यम से आग्रह करना चाहता हूँ, चूंकि नॉर्थ-ईस्ट में बहुत ज्यादा बारिश होती है । इसलिए वहाँ रोड्स की क्वालिटी पर ध्यान देना चाहिए । एनएचआईडीसीएल को वहाँ जो भी कांट्रैक्ट दिया जाता है, वह लोएस्ट बिड के तहत दिया जाता है । बहुत-सी जगहों पर मैंने देखा है कि मेरिट के बेस पर भी काम दिये जाते हैं । इसलिए मेरा आपसे आग्रह है कि उस रोड को मेरिट के आधार पर बिड देकर अच्छी तरह से काम कराया जाए क्योंकि वहाँ सात महीने तक बारिश होती रहती है । अगर लोएस्ट बिड पर काम दिया जाता है, तो छ: महीने के अन्दर ही रोड्स खराब हो जाते हैं । इसलिए मैं केन्द्र सरकार और राजमार्ग मंत्रालय से आग्रह करना चाहता हूँ कि इस पर विशेष ध्यान दिया जाए क्योंकि वह त्रिपुरा की लाइफलाइन है । इसकी तुरंत मरम्मत करायी जाए । इसके लिए एनएचआईडीसीएल की एक कमेटी बनाकर इसकी देखभाल की व्यवस्था करायी जाए ।

धन्यवाद ।